प्रेस विज्ञप्ति

आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति

सरदारशहर 331 401

Email : terapanthpr@gmail.com * Fax : 01564-220 233

सुमेरू सदन में प्रवचन

सज्जन व्यक्ति के गुणों का सम्मान होता है : आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 13 जुलाई, 2010

फूलों की सुंगध, चमेली की सुंगध जिस तरफ हवा होती है उसी तरफ फैलती है, खुशबू हवा के साथ जाती है यह सीमा हो गई किंतु साधु ऐसा पुरुष होता है जिसकी सुगंध चारों ओर फैल जाती है यह वृति और प्रवृति में अंतर है, मनुष्य भी यह सोचे कि मेरे में सज्जनता कितनी है, सज्जनता है तो और उसे पुष्ट करने का अभ्यास करे। एक दुर्जन व्यक्ति होता है और एक सज्जन व्यक्ति होता है। सज्जन व्यक्ति के मन, वचन और कार्य में एकता होती है, जिसमें शारीरिक चेष्टा में समानता होती है वह संत पुरुष होता है।

उक्त विचार आचार्यश्री महाश्रमण ने कनकमल, मिलापचन्द दूगड़ निवास 'सुमेरू' सदन में दो दिवसीय प्रवास के प्रथम दिन उपस्थित जनमेदनी को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

आचार्यश्री महाश्रमण ने अपने उदबोधन में कहा कि जिस व्यक्ति के हृदय में निर्मलता होती है वह सज्जन व्यक्ति होता है, व्यक्ति सज्जन व्यक्ति के गुणों का समान होता है, सज्जन व्यक्ति जहां भी जाता है वह सबको सुख देने वाला होता है इसी तरह सज्जन व्यक्ति अपने बल का उपयोग दूसरों की रक्षा में करता है और दुर्जन व्यक्ति दूसरों को कष्ट देने में अपनी शक्ति का उपयोग करता है, दुर्जन व्यक्ति के पास धन है तो वह अहंकार को बढाने वाला होगा और एक सज्जन व्यक्ति के पास धन है तो वह दान देने में करेगा।

आचार्यश्री महाश्रमण ने कहा सुपात्र व्यक्ति को ज्ञान देना चाहिए जिससे वह उसका अच्छा उपयोग करता है, गुरु से ज्ञान प्राप्त करने के लिए गुरु से जिज्ञासा करो, गुरु के सामने झूको और गुरु की सेवा करो।

इस अवसर पर कनकमल दुगड़, मिलापचन्द दूगड़ ने आचार्यश्री महाप्रज्ञ को अभिनन्दन पत्र भेंट कर स्वागत किया एवं अपनी भावनाएं व्यक्त की। कार्यक्रम का संचालन मुनि दिनेश कुमार ने किया।

चिलचिलाती धूप भी नहीं रोक पाई मुनियों को

गुरु आज्ञा का चमत्कार

6 दिन में की 255 कि.मी. यात्रा

सरदारशहर 13 जुलाई, 2010

जहां आज कल के शिक्षा संस्थानों में विद्यार्थियों के द्वारा अपने विद्यागुरुओं की अवहेलना की जा रही है वहीं जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के तीन मुनियों ने अपने गुरु आचार्य महाश्रमण की आज्ञा का पालन करने में न चिलचिलाती धूप की परवाह की और न पदयात्रा में आने वाले अन्य कष्टों की। आचार्य महाश्रमण का आदेश मिलते ही 7 जुलाई को प्रातः मुनि विश्रुतकुमार, मुनि जयंतकुमार, मुनि नयकुमार ने सुजानगढ़ में प्रवासित वयोवृद्धसंत मुनि मानवमित्र एवं मुनि मेरू कुमार को लाने के लिए विहार कर दिया। उन्होंने पुनः आज दोनों मुनियों के साथ दर्शन कर सबको आश्चर्य में डाल दिया। मात्र 6 दिनों में चिलचिलाती धूप को भी नजरअन्दाज कर 255 कि.मी. को पदयात्रा करते हुए आज प्रातः सरदारशहर पहुंचे मुनियों से जब यह पूछा गया कि इतने कम दिनों में असंभव सा लगने वाला यह कार्य कैसे संभव बनाया? तब उनका एक ही उत्तर था कि यह सब गुरु आज्ञा का चमत्कार है। यह उत्तर देते समय धूप की वजह से चेहरे का रंग काला पड़ जाने के बाद भी चेहरे खिलते हुए नजर आ रहे थे। पैरों के छाले, प्यास का परीषह, जली हुई चमड़ी, पैरों की सूजन, पदयात्रा से आई थकान, रात्री विश्राम के दौरान परेशान करने वाले जीवों से उतपन्न हुए कष्ट आदि कोई भी तरह की बाधा इन मुनियों को जल्द से जल्द गुरु दर्शनों से नहीं रोक पाई। हमेशा गुरु सान्निध्य में ही रहने वाले इन तीनों मुनियों ने जैन मुनिचर्या के नियमों के अनुसार अपने उपयोग में आने वाले उपकरणों को कंधों पर उठाते हुए और अस्वस्थ दोनों मुनियों को हस्तचालित साईकिलनुमा साधनों पर लाते समय आने वाले कष्टों को सहज स्वीकार करते हुए अपनी अकल्पीत यात्रा को गुरु चरणों में पहुंचकर सम्पन्न किया। इस मौके पर अनेक संतों ने अगवानी कर रोमांचक यात्रा करने वाले मुनियों का स्वागत किया एवं आचार्य महाश्रमण ने प्रसन्न मुद्रा में आशीर्वाद प्रदान किया।

आचार्यश्री का सभा भवन में पदार्पण

तेरापंथ धर्मसंघ के आचार्यश्री महाश्रमणजी आज दिनांक 13.7.2010 को तेरापंथ सभा भवन में पदार्पण हुआ। आचार्य प्रवर ने सभा भवन का अवलोकन किया। पदार्पण पर सभा के परामर्शक श्री पन्नालाल सेठिया, अध्यक्ष श्री अशोक नाहटा, मुख्य ट्रस्टी श्री मूलचन्द दूगड़, उपाध्यक्ष श्री पीरदान बरमेचा, मंत्री श्री करनीदान चिण्डालिया, कोषाध्यक्ष श्री चम्पालाल भंसाली,

उपमंत्री श्री तेजकरण भन्साली एवं श्री चैनरूप दूगड़ ने आचार्यश्री को वन्दन करते हुए स्वागत किया। सभा के अध्यक्ष एवं मंत्री ने सभा द्वारा संचालित विभिन्न जानकारी प्रस्तुत की एवं भावी योजनाओं से भी अवगत कराया। इस अवसर पर व्यवस्था समिति के श्री राजरकन सिरोहिया, श्री पोकरमल बूच्चा, रतन दूगड़, बजरंगलाल श्यामसुखा, श्रीचन्द छाजेड़, सुजानमल दूगड़, भंवरलाल बैद, कान्ता चिण्डालिया, संजय बरड़िया सहित शहर के काफी गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

शीतल बरड़िया

मीडिया संयोजक